द
मेवरिक इफेक्ट

एक पाठक की सोच
और अध्याय वार अवलोकन

बिमल मस्करा
द्वारा

पिछले 4 दशकों में भारत एक प्रौद्योगिकी (technology) महाशक्ति बनने के लिए उभरा है।

कुछ उद्यमी प्रतिभाओं (maverick entrepreneurs) के निरंतर प्रयासों ने इस परिवर्तन को प्राप्त करने में मदद की है।

एक सक्षम (facilitator)और सूत्रधार (enabler) के रूप में NASSCOM ने इस यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

प्रौद्योगिकी (technology) हमारे भाग्य के परिवर्तन में लगातार बढ़ती भूमिका निभा रही है।

प्रौद्योगिकी और सॉफ्टवेयर उद्यमियों (entrepreneurs) के एक युवा समूह ने खेल के नियमों को फिर से लिखा है और हमारी गहरी सामाजिक-आर्थिक समस्याओं के विश्वसनीय (credible) समाधान लेकर आए हैं।

एक सामंती (feudal) व्यवस्था समाप्त हो रही है। एक नया मध्यम वर्ग उभर रहा है। यह मेरिटोक्रेसी, समान अवसरों और डिजिटल इंडिया के निर्माण पर आधारित है।

सजे-धजे हाथियों, सपेरों और बैलगाड़ी की गति से यात्रा करने वाली अर्थव्यवस्था (economy) का पुराना भारत एक डिजिटल भारत में परिवर्तित हो रहा है जो दुनिया के लिए एक सक्षम (competent) और विश्वसनीय
(reliable) तकनीकी भागीदार (partner) और प्रवर्तक (promoter) है।

कुछ ही दशकों में कमी (scarcity) से बहुतायत (abundance) और भाग्य के परिवर्तन की ओर यह कदम अपने समय में फ्रांसीसी क्रांति (French Revolution) या 75 साल पहले हमारे देश की राजनीतिक स्वतंत्रता की तरह एक व्यापक (comprehensive) परिवर्तन है।

स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व (Liberty,Equality, Fraternity) व्यापक स्तर पर अधिक प्रासंगिक (relevant) हो गए हैं और इस देश के एक अरब लोगों के लिए नए अर्थ ले लिए हैं।

क्रांति जारी है क्योंकि भारत के आईटी योद्धा तकनीकी विकास के बदलते परिवेश (environment) के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रहे हैं।

महान चक्र (the great wheel) गति में आ गया है। अब घड़ी को पीछे नहीं मोड़ा जा सकता।

NASSCOM के मूल मूल्य (core values) - कोई व्यक्तिगत एजेंडा नहीं, सहयोग और प्रतिस्पर्धा, और विकास मानसिकता के अभ्यास ने मार्गदर्शक सितारों (guiding star) की तरह काम किया है।

एक ऐसी दुनिया में जहां तेजी से परिवर्तन ही एकमात्र स्थिर है, प्रासंगिक (relevant) बने रहना एक सतत (continuous) चुनौती है। NASSCOM का अस्तित्व न केवल जीवित रहेगा, बल्कि आने वाले बदलाव की अराजकता में भी फले फूलेगा।

बैंडविड्थ (Bandwidth) को भारत में अस्तित्वगत अनिवार्यताओं (existential necessities) की सूची में शामिल होने में समय लगा है। अब भारत में डेटा (data) की खपत ऐसे हो रही है जैसे हम हवा में सांस लेते हैं। जिस सहज तरीके से आईटी क्रांति ने देश के ताने-बाने में आत्मसात (assimilation) किया है, वह उन लोगों की दूरदर्शिता को श्रद्धांजलि है जो भविष्य की कल्पना कर सकते थे।

NASSCOM भारत को बदलने के लिए निकला था, लेकिन आउटसोर्सिंग बिजनेस मॉडल के नवाचार (innovation) के साथ, इसने दुनिया को बदल कर रख दिया है।

NASSCOM के मूल मूल्यों (core values) और औद्योगिक सफलता के एक महत्वपूर्ण द्रव्यमान (critical mass) के साथ और आगे की वृद्धि को सुविधाजनक बनाने के लिए, भविष्य का आविष्कार करने के लिए तैयार है।

उत्पादक बनने के लिए सभी नागरिकों द्वारा बौद्धिक पूंजी (intellectual capital) प्रौद्योगिकी (technology) का प्रयोग भारत को फिर से सोने की चिड़िया बना देगा।

अधिक रोजगार सृजित (creation) करने और लोगों को अधिक उत्पादक (productive) बनाने के लिए भारत को और अधिक प्रौद्योगिकी (technology) को अपनाने की आवश्यकता होगी। हमारे पारंपरिक मूल्य, देशी प्रतिभा और वैज्ञानिक मानसिकता विश्व को हरा देगी।

कई क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी के कारण होने वाले विघटन (disruption) का स्वागत किया जाना चाहिए। उभरी हुई दुविधाएं समय के साथ अपने आप सुलझ जाएंगी। हमारी कुशल प्रतिभा, जनसांख्यिकीय लाभ, गणित का उपहार, तर्क और दुनिया की अस्थिरता, अनिश्चितता, जटिलता और अस्पष्टता से निपटने की क्षमता हमें प्रतिस्पर्धा (Competition) से आगे रखेगी।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग हमारे लाभ के लिए किया जा सकता है और किया जाएगा। हमारी अंतर्निहित रचनात्मकता, (inherent creativity), भावनात्मक भागफल, (emotional quotient) सहानुभूति के लिए प्राकृतिक आत्मीयता (natural affinity) और देशी बुद्धिमत्ता (native intelligence) हमें वक्र (curve) से आगे रखेगी।

भविष्य की एक संग्रह भव्य दृष्टि (collection grand vision) बनाने की आवश्यकता होगी। दस लाख प्रौद्योगिकी उद्यमियों के उदय से इस देश का भाग्य निर्णायक (decisive) रूप से बदल जाएगा।

डेटा का उपयोग करना, सही नीति को डिजाइन करने के लिए इसका उपयोग करना, कारोबारी माहौल को सक्षम बनाना और मूल्य बनाने (Value creation) के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचे का निर्माण और उपयोग करना आने वाले दशकों में आगे बढ़ने का रास्ता होगा।

भारत के ऊर्जावान, उत्साही और बेचैन युवा की नस्ल से बहुत उम्मीद की जा सकती है। वे देश को हमारे सपनों का स्वर्ग बनाने में मदद कर सकते हैं।

निहित स्वार्थों (vested interests) की पुरानी व्यवस्था के घिनौने गठजोड़ (nexus) को तोड़ना होगा और परजीवियों (parasites). को पराजित करना होगा।

उत्कृष्टता के केंद्रों (centres of excellence) को भौगोलिक क्षेत्रों में स्थापित करने की आवश्यकता होगी। अधिक सितारों को गहरे आसमानों में छितरने की आवश्यकता होगी। उनकी सामूहिक चमक रात के आकाश को रोशन करेगी। एक आत्म-वास्तविक (self-actualised) भारत वैश्विक आकाश में चमकेगा।

हम सिर्फ भविष्य से मिलेंगे ही नहीं। हम ही भविष्य होंगे।

आईटी क्रांति, बौद्धिक संपदा, (Intellectual property) बेड़ा दिमाग (fleet mind) और उर्वर (fertile ground) के विकास पर आधारित नए विचारों की घास का मैदान है। यह इस आंदोलन के निरंतर कायाकल्प (continuous rejuvenation) और स्थिरता को सुनिश्चित करेगा।

समय के साथ, यह आईटी क्रांति खेती की हरित क्रांति और दूध की श्वेत क्रांति के साथ इतिहास में अपनी जगह बनाएगी। अपने दायरे, चौड़ाई, गहराई, पहुंच और भारत पर सामाजिक-आर्थिक प्रभाव में, यह उन दोनों क्रांतियों को पार कर लेगी, ऐसी संभावना है।

भारत के जीवन काल का एक अनोखा इतिहास हमारी आँखों के सामने रचा जा रहा है।
हम सब इसके भाग्यशाली कर्ता और द्रष्टा हैं ।